क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 76, बुधवार, 10 अप्रैल, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पहला कॉलम

### आंधी-तूफान ने रोका राहुल गांधी का चुनावी रथ, ओडिशा में रैली रद्द

**भुवनेश्वर।** कांग्रेस सूत्रों ने कहा है कि पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी की ओडिशा के कंधमाल में मंगलवार को होने वाली चुनावी रैली रद्द कर दी गई है। कांग्रेस की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राहुल गांधी का यह दौरा मंगलवार की शाम संभावित आंधी तूफान के मद्देनजर रद्द किया गया है। इसमें यह भी कहा गया कि ओडिशा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष निरंजन पटनायक एवं छत्तीसगढ़ के स्वास्थ मंत्री टी एस सिंहदेव इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। कंधमाल के दौरे पर राहुल गांधी का कार्यक्रम चुनावी रैली को संबोधित करने तथा फूलबनी में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेने का था। लोकसभा एवं ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए जिले में 18 अप्रैल को मतदान कराए जाएंगे।

### कांग्रेस के लिए आतंकवाद मुद्दा नहीं तो राहुल गांधी हटवा लें एसीपीजी की सुरक्षा: सुषमा

**नेशनल डेस्क।** विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने दावा किया कि पिछले पांच सालों के दौरान दुनिया भर में भारत का रूतबा बढ़ा है। सुषमा ने कांग्रेस द्वारा आतंकवाद के मुद्दे को खारिज करने पर कहा कि यदि राहुल आतंकवाद को मुद्दा नही मानते हैं तो उन्हें अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लौटा देना चाहिए। विदेश मंत्री ने पाकिस्तान पर युद्ध का उन्माद फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पुलवामा अटैक के बाद भारत ने दुनिया को अपनी ताकत दिखाई है। उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार की विदेश नीति का ही असर है कि पाकिस्तान के विरोध के बावजूद इस्लामिक देशों के संगठन के सम्मेलन में भारत को गेस्ट आफ आनर दिया गया। सुषमा स्वराज ने कहा कि पाकिस्तान की सीट खाली थी और भारत वहां पर मौजूद था। 50 साल पहले जिस संगठन ने पाकिस्तान के विरोध के कारण भारत के विदेश मंत्री को सम्मेलन में भाग नही लेने दिया था आज वही सम्मेलन भारत को दूसरे नजरियें से देख रहा है।

### भाजपा के 2014 वाले घोषणा-पत्र में थे 11 दिग्गज चेहरे, अब केवल मोदी

**नई दिल्ली।** बीते पांच साल में भाजपा नेतृत्व जिस संक्रमण से गुजरा है उसका अक्स उसके घोषणापत्र में बरबस ही देखा जा सकता है। इस साल हो रहे चुनाव के लिए जारी घोषणापत्र के कवर पेज पर केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही दिख रहे हैं जबकि साल 2014 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और उपप्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी सहित दस दूसरे नेताओं के फोटो इसकी शोभा बढ़ा रहे थे। वाजपेयी का फोटो अब पार्टी के प्रमुख विचारक रहे श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीन दयाल उपाध्याय के साथ आखिरी पन्ने पर है। साल 2014 के घोषणापत्र में ये लोग दूसरे पन्ने पर थे। मोदी के अलावा, गृह मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और वित्त मंत्री अरुण जेटली सहित समकालीन नेताओं की तस्वीरें 2014 के घोषणापत्र में शामिल थीं पर अब 2019 में वे गायब हो गई हैं। जिन दिग्गज नेताओं आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को पार्टी ने इस बार टिकट नहीं दिया है।

## चुनावी

# पहली बार वोट करने जा रहे युवाओं से पीएम मोदी की 3 अपील

**औसा (एजेंसी) ।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर हमला तेज करते हुए कहा कि अगर उनके नेताओं ने समझदारी से काम लिया होता तो पाकिस्तान नहीं बनता . महाराष्ट्र के लातूर जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से बालाकोट हमले के नाम पर वोट मांग मोदी आदर्श आचार संहिता के दायरे में जाते भी दिखे. मोदी ने पहली बार मतदान करने वाले लोगों से कहा, '' क्या आपका पहला वोट हवाई हमला करने वालों के लिए हो सकता है.'' लोकसभा चुनाव 2019 के प्रचार में जुटे पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि आजादी से पहले कांग्रेस नेताओं ने अगर समझदारी से काम लिया होता तो 1947 में पाकिस्तान ना बनता. मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र और पाकिस्तान की भाषा एक है. नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के बयान की ओर इशारा करते हुए मोदी ने कांग्रेस और उसके सहयोगी एनसीपी पर जम्मू-कश्मीर में अलग प्रधानमंत्री की मांग करने वालों का साथ देने का आरोप लगाया. मामले में एनसीपी प्रमुख शरद पवार पर हमला बोलते हुए मोदी ने पूछा कि क्या मराठा क्षत्रप को ऐसे विचार वाली पार्टी का साथ देना शोभा देता है? आपका पहला वोट, बालाकोट में एयर स्ट्राइक करने वाले वीर जवानों को समर्पित हो सकता है क्या? पुलवामा में शहीद वीरों को समर्पित हो सकता है क्या? देश के गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं के विकास को समर्पित हो सकता है क्या? दूसरी ओर, मोदी ने कहा कि बीजेपी के तहत नए भारत की नीति आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मारने की है. मोदी ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले और बालाकोट पर हवाई हमले के बाद से विपक्षी दल सुरक्षा बलों की वीरता पर सवाल उठा रहे हैं. कांग्रेस पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद के वल भ्रष्टाचार एक ऐसा काम है जो पार्टी 'ईमानदारी' से करती है. मोदी ने कहा, '' आपने देखा होगा कल-परसों कैसे कांग्रेस के दरबारियों के घर से बक्सों में नोट निकले हैं, नोट से वोट खरीदने का ये पाप इनकी राजनीतिक संस्कृति रही है. ये पिछले छह महीने से बोल रहे हैं कि 'चौकीदार चोर है' लेकिन नोट कहां से निकले? असली चोर कौन है?'' मोदी का इशारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के करीबियों और अन्य लोगों के खिलाफ कर चोरी तथा हवाला लेनदेन के आरोप में आयकर विभाग द्वारा दिल्ली और मध्य प्रदेश में कई जगह मारे गए छापों की ओर था. कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी राफेल सौदे में कथित भ्रष्टाचार के मामले में ''चौकीदार चोर है''।

नारे का इस्तेमाल कर प्रधानमंत्री पर हमला बोलते रहे हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सैन्य बलों को दी गई विशेष शक्तियां वापस लेना चाहती है. उन्होंने कहा, '' पाकिस्तान भी यही चाहता है ताकि आतंकवादी मजे कर सकें. कांग्रेस ने कहा था कि वह राजद्रोह कानून को खत्म करना चाहती है. पाकिस्तान भी यही चाहता है. वह भारत के खिलाफ काम करने वालों को आजाद करना चाहते हैं.'' मोदी ने कहा, '' क्या ऐसी बातें करने वालों पर आप विश्वास कर सकते हैं? क्या ये लोग देश की रक्षा कर सकते हैं?'' मोदी ने सोमवार को जारी किए गए बीजेपी के घोषणापत्र की तारीफ करते हुए कहा कि अन्य मुद्दों सहित पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और किसानों के कल्याण को लेकर प्रतिबद्ध है. मोदी ने वहां मौजूद लोगों से कहा, '' आपका भरोसा पिछले पांच साल में मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि

# राहुल की चुनौती, इन 3 मुद्दों पर तैयारी के साथ हमसे बहस करें मोदी

**नई दिल्ली (एजेंसी) ।** कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राफेल, नोटबंदी और नीरव मोदी के मामलों पर सीधी बहस की चुनौती देते हुए मंगलवार को कहा कि वह इन विषयों पर पूर्ण तैयारी करके मेरे साथ बहस करने आएं. पहले भी कई मौके पर कर चुके हैं चैलेंज पहले भी कई मौकों पर प्रधानमंत्री को सीधी बहस की चुनौती दे चुके गांधी ने यह सवाल भी किया कि क्या मोदी उनके साथ बहस को लेकर डरे हुए हैं? राहुल गांधी ने ट्वीट करके दिया चैलेंज राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, ''प्रिय प्रधानमंत्री, क्या आप भ्रष्टाचार पर मेरे साथ बहस करने से डरे हुए हैं? मैं आपके लिए यह आसान कर सकता हूं. चलिए किताब खोलकर आप इन विषयों पर तैयारी कर सकते हैं:- 1. राफेल अनिल अंबानी 2. नीरव मोदी 3. अमित शाह नोटबंदी.'' गौरतलब है कि गांधी की ओर से पहले दी गई चुनौती पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष एक बेखबर नेता हैं.

### दुमका में भाजपा को करनी पड़ेगी कड़ी मशक्कत

**दुमका ।** झारखंड में इस बार के लोकसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के साथ झारखंड विकास मोर्चा (झाविमो) के भी महागठबंधन में आ जाने से झामुमो के अभेद्य किला दुमका टक्कर देने के लिए भाजपा को नाकों चने चबाने पड़ सकते हैं। पिछले चुनाव (2014) में इस सीट पर झामुमो, भाजपा और झाविमो के बीच त्रिकोणीय मुकाबला हुआ था और झाविमो तीसरे नम्बर पर रहा था लेकिन इस बार झामुमो और झाविमो का साथ मिलकर चुनाव लड़ना भाजपा की मुश्किलों को और बढ़ सकता है। जनजातीय बहुल इस क्षेत्र में 'दिशोम गुरू' के नाम से लोकप्रिय झामुमो के अध्यक्ष एवं झारखंड को अलग राज्य बनाने के आंदोलन के अग्रणी नेताओं में शुमार शिबू सोरेन ने पहली बार वर्ष 1980 में निर्दलीय चुनाव लड़ा और विजयी हुए। वर्ष 1984, 1998 और 1999 के लोकसभा चुनाव को छोड़कर करीब 39 वर्ष से इस सीट पर झामुमो का ही दबदबा कायम है। केवल वर्ष 1984 में कांग्रेस के पृथ्वीचंद किस्कू तथा 1998 और 1999 में दो बार भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल मरांडी इस सीट से विजयी हो पाये। लेकिन, पिछले चुनावों में झामुमो के पक्ष में गिरे वोट स्पष्ट संकेत कर रहे हैं कि इस बार के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोरेन को दुमका में झामुमो उम्मीदवार शिबू सोरेन से टकराने के लिए एड़ी-चोटी एक करनी पड़ेगी। छह विधानसभा सीट जामताड़ा, नाला, सारठ, शिकारीपाड़ा (सुरक्षित), दुमका (सुरक्षित) और जामा (सुरक्षित) वाले इस संसदीय क्षेत्र में सोलहवें लोकसभा चुनाव (2014) में सोरेन से लोहा लेने के लिए भाजपा ने सुनील सोरेन को अपना प्रत्याशी बनाया था लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। सोरेन ने 99030 मतों के अंतर से सुनील सोरेन को पराजित कर दिया।

### पहले चरण का चुनाव प्रचार समाप्त- पीएम मोदी, प्रियंका और राहुल रहे स्टार प्रचारक

**नई दिल्ली ।** लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मंगलवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो गया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गाँधी, भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) अध्यक्ष अमित शाह और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी वाड्रा जैसे स्टार प्रचारकों ने जमकर चुनाव प्रचार किया और मतदाताओं से अपने-अपने उम्मीदवारों को विजयी बनाने की अपील की। बीस राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 91 सीटों के लिए चुनाव प्रचार के दौरान रोड-शो, कारों और गाड़ियों का काफिला, मोटरसाइकिलों की रैली और गगनभेदी नारों तथा पार्टी के झंडों से सड़कें पूरी तरह पटी रहीं। इन स्टार प्रचारकों ने अपने विरोधियों पर जमकर निशाना साधा तथा अपनी पार्टी की जीत के लिए जनता को लुभावने सपने भी दिखाये और विकास कार्यों के आश्वासन दिए। इसके अलावा आँध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभाओं की सभी सीटों तथा ओडिशा की 147 में से 28 सीटों के लिए भी आज चुनाव प्रचार थम गया। आज चुनाव प्रचार थम गया। मोदी ने बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, ओडिशा तथा अरुणाचल प्रदेश जैसे अनेक राज्यों का दौरा कर जमकर चुनाव प्रचार किया और अपने पाँच साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का लेखा-जोखा भी पेश किया।

## अमित शाह का कांग्रेस से सवाल

# क्या राहुल बाबा दे सकते हैं देश को मजबूत सरकार ?

**नेशनल डेस्क (एजेंसी) ।** भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने राजग सरकार की केंद्र में वापसी पर जोर देते हुए मंगलवार को कहा कि केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही मजबूत सरकार दे सकते हैं। उन्होंने शमशाबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि सोमवार को जारी भाजपा का घोषणापत्र और कुछ नहीं बल्कि देश को महान बनाने का एक दस्तावेज है। शाह ने पुलवामा में आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर किये गए हवाई हमले का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि क्या कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मोदी की तरह मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं। मोदी सरकार ने जो सबसे बड़ा काम किया वह है देश को सुरक्षित बनाना। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि क्या कथित ''टुकड़े टुकड़े गैंग'' और ''राहुल बाबा एंड कंपनी'' देश को एक सक्षम नेतृत्व दे सकते हैं। क्या वे एक मजबूत सरकार दे सकते हैं? केवल और केवल मोदी देश को एक मजबूत सरकार दे सकते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भारतीय वायुसेना द्वारा हवाई हमले के बाद पूरे भारत में जश्न मनाया जा रहा था, मात्र दो स्थानों पर दुख था...एक पाकिस्तान में और दूसरा राहुल बाबा एंड कंपनी के खेमे में। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री एवं टीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर उनके गठबंधन को लेकर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या केसीआर किसी भी स्थिति में इस देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं? शाह ने इसका उल्लेख किया कि भाजपा तेलंगाना में हाल में हुए विधानसभा चुनाव में आये जनादेश का सम्मान करती है जिसमें टीआरएस सत्ता में वापस आयी। उन्होंने कहा कि आने वाला लोकसभा चुनाव देश का प्रधानमंत्री चुनने, मोदी और भाजपा चुनने के लिए हैं। मोदी सरकार ने तेलंगाना को पिछले पांच वर्षों में 2.45 लाख करोड़ रुपये से अधिक दिये जबकि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने मात्र 16500 करोड़ रुपये दिये। भाजपा नेता ने साथ ही तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) पर कांग्रेस की तरह ही ''वंशवादी पार्टी'' होने का भी आरोप लगाया।

# 1984 सिख-विरोधी दंगा: सज्जन कुमार ने सीबीआई पर लगाया प्रमुख गवाह को सिखाने-पढ़ाने का आरोप

**नई दिल्ली (एजेंसी) ।** तिहाड़ जेल में उम्र कैद की सजा काट रहे कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार ने मंगलवार को दिल्ली की एक अदालत में सीबीआई पर आरोप लगाया कि वह 1984 के सिख विरोधी दंगों के एक मामले में एक प्रमुख गवाह को सिखा-पढ़ा रही है। कुमार के वकील ने कहा कि तथ्य यह है कि गवाह 1985 में पुलिस के समक्ष दिये गये अपने बयानों के विपरीत सूचना दे रहा है जिससे इंगित होता है कि एजेंसी उसे सिखा-पढ़ा रही है। मामले में एक गवाह और शिकायतकर्ता जोगिंदर सिंह ने अदालत को बताया था कि उसके द्वारा मामले से संबंधित पुलिस को दिए बयान में लिखे गए कुछ तथ्य झूठे थे। इसके बाद अदालत में यह बात कहीं गई है। तीन लोगों- कुमार, ब्रह्मानंद गुप्ता और वेद प्रकाश सुल्तानपुरी में सुरजीत सिंह (जोगिंदर के रिश्तेदार) की हत्या और दंगे भड़काने के आरोपों का सामना कर रहे है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की 31 अक्टूबर, 1984 को उनके दो सिख अंगरक्षकों द्वारा गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद बड़े पैमाने पर सिख विरोधी दंगे भड़क गए थे। दंगों से संबंधित एक अन्य मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कुमार इस समय तिहाड़ जेल में बंद हैं। सिंह ने 1985 में कहा था कि कुछ लोग उसके घर में घुसे थे और आभूषण तथा रुपए लूट लिए थे। उन्होंने कहा था कि वह अपने घर से भाग गया था और उनमें से किसी को भी नहीं पहचानता था। बचाव पक्ष के वकील ने जब यह कहा कि सिंह ने अपने पहले के बयान में किसी भी आरोपी या किसी सुरजीत का नाम नहीं लिया था तो गवाह ने अदालत को बताया, ''मैंने हरेक का नाम लिया था। मैंने एक आरोपी के रूप में सज्जन कुमार का नाम लिया था और पुलिस को सुरजीत के बारे में प्रत्येक जानकारी दी थी।

### राजनाथ बोले, हमने कभी नहीं कहा कि लोगों के खातों में आएंगे 15 लाख रुपए

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी ने कभी नहीं कहा कि लोगों के खाते में 15 लाख रुपए आएंगे। राजनाथ ने कहा कि ऐसा बिल्कुल भी नहीं कहा था कि हर किसी के खाते में 15 लाख आएंगे। एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2014 में हमने कहा था कि अगर सत्ता में आए तो कालेधन के खिलाफ कार्रवाई करेंगे और काले धन पर कार्रवाई हुई भी। हमारी सरकार ने अपना वादा निभाते हुए कालेधन के मामले में एसआईटी का गठन किया है। राजनाथ का 15 लाख पर बयान ऐसे समय पर आया है जब विपक्षी दल भाजपा पर वादा खिलाफी के आरोप लगा रहे हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि भाजपा ने 2014 में चुनाव प्रचार के दौरान लोगों को उनके खाते में 15-15 लाख देने का वादा किया था। राजनाथ ने कहा कि विपक्षी नेताओं और उनके करीबियों के यहां इनकम टैक्स और ईडी के छापों को राजनीतिक बदला कहना गलत है। उन्होंने कहा कि जो एजेंसिया छापेमारी कर रही हैं वह स्वायत हैं और उन पर चुनाव आचार संहिता भी लागू नहीं होती। नरेंद्र मोदी की जगह नितिन गडकरी और खुद के प्रधानमंत्री बनने के सवाल पर राजनाथ ने कहा कि यह मात्र अफवाह है। उन्होंने कहा कि हमें भरोसा है कि 2019 में भी हमारी सरकार बनेगी और पीएम नरेंद्र मोदी ही होंगे। राजनाथ ने कहा कि मेरे या गडकरी के प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी की खबरें अफवाह है। वहीं उन्होंने बालाकोट में आतंकी ठिकानों पर किए गए ।

संपादकीय

## संकल्प और प्रतिबद्धता

केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र न केवल नए संकल्पों की नई ताजगी का एहसास कराता है, बल्कि एक सशक्त व उद्यमशील भारत के सपने भी दिखाता है। यह चुनावी घोषणापत्र सरकार के विगत पांच वर्ष की कथित या चर्चित स्याह छाया से बिल्कुल अलहदा खुशनुमा भारत की छवियां पेश करता है। 50 पृष्ठों के घोषणापत्र में विगत पांच वर्ष के 50 कार्यों की रोशनी पड़ ही रही है और आगामी पांच वर्ष के लिए छोटे-बड़े लगभग 75 संकल्प पार्टी ने पेश कर दिए हैं। भाजपा के लगभग 12 ऐसे संकल्प हैं, जो उसे 2022 तक पूरे करने हैं। वर्ष 2022 का महत्व इसलिए है, क्योंकि उस वर्ष भारत को आजादी मिले 75 वर्ष हो जाएंगे। वर्ष 2022 तक स्वच्छ गंगा, सबको पक्का मकान, सबके घर बिजली, सबके घर शौचालय, सबके घर पेयजल, किसानों की आय दोगुनी करने, निर्यात दोगुना करने, सभी रेल पटरियां ब्रॉडगेज करने, सभी रेल पटरियों का विद्युतीकरण करने का संकल्प है। छोटे किसान और छोटे दुकानदार, ये दो ऐसे बड़े वर्ग थे, जो भाजपा के कुछ कदमों से नाराज या उपेक्षित चल रहे थे। ऐसे में, गौर करने की बात है कि भाजपा ने छोटे किसानों और छोटे दुकानदारों को 60 की उम्र के बाद पेंशन देने का वादा किया है। कांग्रेस के घोषणापत्र की तरह ही भाजपा का संकल्प पत्र भी प्रशंसनीय है और उस पर यदि वाकई अमल किया जाए, तो भारत समय से पहले विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

आशा के अनुरूप ही भाजपा ने संकल्प पत्र में राष्ट्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। रक्षा, सुरक्षा, आतंकवाद के विरुद्ध सरकार की नीतियां यथावत रहेंगी। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में जहां रोजगार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी थी, वहीं भाजपा ने उद्यमशीलता पर जोर दिया है। पार्टी ने बताया है कि विगत पांच वर्ष में 17 करोड़ युवाओं को उद्यम शुरू करने के लिए ऋण दिए गए, वहीं आगामी पांच वर्ष में 30 करोड़ को नए उद्यम या स्टार्टअप के लिए ऋण देने का संकल्प है। भाजपा के संकल्प पत्र से नौकरी खोज रहे युवाओं को थोड़ी निराशा हुई होगी। यह उद्यम-मुखी सरकार है और वह आगामी वर्षों में ऐसी ही रहेगी। भाजपा का यह घोषणापत्र भारतीय युवाओं के लिए उद्यमशीलता की दिशा में सोचने का प्रेरक प्रस्थान बिंदु हो सकता है। देश की प्रमुख दो पार्टियों का नीतिगत अंतर यहां देखने लायक है, कांग्रेस जहां सार्वजनिक क्षेत्र पर भरोसा बढ़ाना चाहती है, वहीं भाजपा निजी क्षेत्र पर फोकस करते हुए चल रही है। भाजपा ने दिल्ली में जहां संकल्प पत्र जारी किया है, तो वहीं पटना में राष्ट्रीय जनता दल ने प्रतिबद्धता पत्र जारी किया है। लालू प्रसाद यादव की पार्टी के घोषणापत्र में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाला संकल्प है मंडल कमीशन को पूरी तरह लागू करना और जातियों को जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देना। सवर्णों को भी आर्थिक आधार पर आरक्षण मिलेगा। कुल मिलाकर, जो भी राजनीतिक घोषणापत्र अब तक सामने आए हैं, उनमें रोजगार या आय के साधनों की ज्यादा चर्चा है। यह अच्छा संकेत है कि युवाओं को बेहतर जीवन चाहिए और राजनीतिक पार्टियां इस जरूरत को समझ रही हैं। अब जरूरी है कि वे चुनाव में हारें या जीतें, लेकिन अपनी घोषणा, अपने संकल्प और प्रतिबद्धता को महज कागजों पर न रहने दें, जमीन पर साकार करें।

## ट्वीट

### वायदा

भाजपा का घोषणा पत्र किसान के लिए शून्य पत्र। सच पूछिए तो किसान को ठेंगा दिखाया है-केवल घोषणाओं का पुलिंदा है, और उनमें भी वायदा सिर्फ है कि प्रयास करेंगे। मतलब 5 साल बाद भी जवाबदेही नहीं। अब फैसला किसान को करना है- नोटबंदी का जवाब वोटबंदी से क्यों न दिया जाए?

योगेन्द्र यादव, राजनीतिक

# मांग-निवेश बढ़ने से समृद्धि की राह

भरत झुनझुनवाला

बीते दशक में हमारी विकास दर लगभग 7 प्रतिशत रही है। इससे देश की जनता संतुष्ट नहीं है। इसे बढ़ाने के लिए मांग और निवेश के सुचक्र को गति देनी होगी। बाजार में माल की मांग होगी तो निजी निवेश स्वयं आएगा। साथ-साथ टेलीफोन, हाईवे, रेल जैसी बुनियादी सुविधाओं में सरकारी निवेश होने से निजी निवेश को गति मिलती है। अतः हमें ऐसी नीतियां बनानी होंगी, जिससे बाजार में मांग उत्पन्न हो और बुनियादी सुविधाओं में निवेश के लिए सरकार के पास धन उपलब्ध हो। मांग बढ़ाने का सीधा उपाय है कि सरकार के बजट के रिसाव को बंद किया जाए। सरकार अपने बजट से जो खर्च करती है, उसका बड़ा हिस्सा विकास कार्यों में जाता है जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा इत्यादि। इन खर्चों का अधिकतर हिस्सा सरकारी कर्मियों के वेतन में लग जाता है। सरकारी कर्मी इस वेतन से कम ही खपत करते हैं। उनके द्वारा भारी मात्रा में सोना खरीदा जाता है, विदेश को रकम भेजी जाती है अथवा विदेश में बने माल को खरीदा जाता है, जैसे स्विट्ज़रलैंड में बनी चॉकलेट अथवा फ्रांस में बनी शराब। इस प्रकार हमारी आय का एक हिस्सा देश से बाहर चला जाता है। देश में मांग कम हो जाती है। स्विट्ज़रलैंड में बनी चॉकलेट के स्थान पर यदि ये लोग भारत में बनी भुजिया आदि खरीदते तो भुजिया बनाने की फैक्टरी में उद्यमी निवेश करते, जिससे बाजार में सीमेंट और स्टील की मांग उत्पन्न होती और इस फैक्टरी में काम करने वाले कर्मियों को वेतन मिलता, जिससे बाजार में कपड़े और कागज की मांग उत्पन्न होती। विदेशी माल खरीदने से देश के उद्यमियों में निवेश का उत्साह नहीं बनता है। उपाय है कि विकास कार्यों के माध्यम से जो रकम सरकारी कर्मियों को दी जा रही है, उसे सीधे जनता को उपलब्ध करा दिया जाये। जनता में हम यदि 70 प्रतिशत को ‘आम’ मानें तो इन्हें दी गयी रकम का बड़ा हिस्सा घरेलू माल की खपत में जायेगा। आम नागरिक को यदि 6 हजार रुपये मिलते हैं तो वह उस रकम का उपयोग कपड़े अथवा जूते खरीदने में करेगा। इसकी तुलना में वही 6 हजार यदि सरकारी कर्मी को वेतन के रूप में मिलते हैं तो वह इसके एक बड़े हिस्से का उपयोग सोना खरीदने अथवा विदेश भेजने में करता है। इसलिए यदि सरकारी खर्च की दिशा सरकारी कर्मियों से हटाकर आम जनता की तरफ कर दी जाये तो बाजार में मांग बढ़ेगी। वर्तमान वर्ष में केन्द्र एवं राज्य सरकारों का विकास कार्यों का कुल बजट लगभग 24 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष है। इसमें से यदि 20 प्रतिशत जरूरी कार्यों को छोड़कर शेष 80 प्रतिशत योजनाओं को रद्द कर दिया जाये तो हमारी सरकारों को 19 लाख करोड़ रुपये की विशाल रकम उपलब्ध हो सकती है। इस रकम का उपयोग देश के 30 करोड़ परिवारों में 60 हजार रुपया प्रति वर्ष वितरित करने के लिये किया जा सकता है। ऐसा करने से बाजार में भारी मांग उत्पन्न होगी और मांग और निवेश का सुचक्र स्थापित हो जायेगा। सरकारी कर्मियों द्वारा भ्रष्टाचार के माध्यम से जो रकम अर्जित की जा रही है, उसका भी यही हाल है। लगभग 10 वर्ष पूर्व इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट बेंगलुरु के प्रोफेसर वैद्यनाथन ने अनुमान लगाया था कि हर वर्ष सरकारी कर्मियों द्वारा 4 लाख करोड़ रुपये की घूस वसूल की जाती है। वर्तमान में यह रकम 10 लाख करोड़ या उससे भी ज्यादा होगी। इस रकम का भी एक अंश देश से बाहर चला जाता है। इस रकम का उपयोग देश के अंदर ही मांग स्थापित करने के लिए हो तो बाजार चल निकलेगा। भ्रष्टाचार नियंत्रित करने के लिए वर्तमान एनडीए सरकार ने ईमानदार अधिकारियों को प्रमुख पदों पर नियुक्त करने का कदम उठाया है जो सराहनीय है। परन्तु निचले स्तर पर भ्रष्टाचार पूर्ववत ही नहीं है बल्कि बढ़ा ही है। इसलिए केवल ऊपर से नियंत्रण करने से काम नहीं चलेगा। जरूरत है कि नीचे के स्तर पर भ्रष्टाचार नियन्त्रण के उपाय किये जाएं। इसका उपाय यह है कि सरकारी कर्मियों का हर 5 वर्ष पर बाहरी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा मूल्यांकन कराया जाये, उपभोक्ताओं द्वारा उनकी कार्यकुशलता का सर्वे कराया जाये और जासूसों द्वारा उनकी ईमानदारी का अनुमान लगाया जाये। आज अनेक उपकरणों का आविष्कार हो गया है जो व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। सरकारी कर्मचारियों की ईमानदारी जांचने को इनका उपयोग वैसे ही हो जैसे व्यापारी के ऊपर जीएसटी जमा करने के लिए होता है। इन तीनों स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर जो 10 प्रतिशत सबसे अकुशल कर्मी पाए जाएं, उन्हें हर वर्ष अनिवार्य सेवानिवृत्त कर दिया जाये। ऐसा करने से सरकारी भ्रष्टाचार में नीचे से कमी आएगी। वर्तमान की 10 लाख करोड़ प्रति वर्ष की घूस में से यदि 5 लाख करोड़ भी बाजार में आ गया तो इससे मांग में भारी सुधार आएगा। दूसरी तरफ सरकार को निवेश के ऊपर ध्यान देना होगा। इस समय स्टेट बैंक के शेयरों की बाजार में कीमत 2.9 लाख करोड़ रुपये है। सभी सरकारी बैंकों को सम्मिलित कर लें तो यह रकम 30 लाख करोड़ के लगभग होगी, ऐसा अनुमान है। इस रकम में से लगभग 20 लाख करोड़ के शेयर सरकार के पास हैं। स्टेट बैंक को छोड़ कर शेष बैंकों का निजीकरण किया जा सकता है। सरकार के हाथ में वर्तमान में उपलब्ध शेयरों को बेच दें तो 15 लाख करोड़ की एक विशाल रकम हासिल की जा सकती है। इस रकम का उपयोग सरकार द्वारा बुनियादी सुविधाओं जैसे हाईवे, एयरपोर्ट, इत्यादि तथा भविष्योन्मुखी रिसर्च के लिए उपयोग किया जा सकता है, जैसे आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस, रोबोट, अंतरिक्ष, पांचवीं पीढ़ी के इन्टरनेट इत्यादि के लिए। आने वाले समय में आर्थिक विकास की नींव इन्हीं नई तकनीकों पर रहेगी। यदि आज अमेरिका विश्व में आगे है तो प्रमुख कारण है कि अमेरिकी सरकार ने रिसर्च में भारी निवेश किया है। अतः हमें भी भविष्य में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों में निवेश करना चाहिए। ध्यान दें कि सरकारी बैंकों को बेचकर उस रकम का सरकार के अधीन ही दूसरे कार्यों में निवेश करने से सरकार की भूमिका छोटी नहीं होती है। बल्कि सरकार की भूमिका में गहराई आएगी। जैसे परिवार का मुखिया यदि पुश्तैनी जर्जर मकान को बेचकर उस रकम का निवेश बच्चे की शिक्षा में करे तो परिवार चल निकल पड़ता है। इसी प्रकार सरकारी बैंकों के साथ-साथ अन्य सरकारी इकाइयों का निजीकरण कर भारी रकम अर्जित कर इसका निवेश करें तो हम अर्थव्यवस्था को गति दे सकते हैं।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

## ज्योतिष

ओशो/ भविष्य एकदम अनिश्चित नहीं है। हमारा ज्ञान अनिश्चित है। भविष्य में हमें कुछ दिखाई नहीं पड़ता। नहीं दिखाई पड़ता है इसलिए हम कहते हैं कि निश्चित नहीं है, लेकिन भविष्य में दिखाई पड़ने लगे और ज्योतिष भविष्य में देखने की प्रक्रिया है। तो ज्योतिष सिर्फ इतनी ही बात नहीं है कि ग्रह-नक्षत्र क्या कहते हैं। उनकी गणना क्या कहती है। यह तो सिर्फ ज्योतिष का एक डायमेंशन है, एक आयाम। फिर भविष्य को जानने के और आयाम भी हैं। मनुष्य के हाथ पर खींची हुई रेखाएं हैं, माथे पर खींची हुई रेखाएं हैं, पर ये भी बहुत ऊपरी हैं। मनुष्य के शरीर में छिपे हुए चक्र हैं। उन सब चक्रों की प्रति पल अलग-अलग गति है। फ्रिक्वेंसी हैं। उनकी जांच है। मनुष्य के पास छिपा हुआ, अतीत का पूरा संस्कार बीज है। रान हुब्बार्ड ने एक नया शब्द, एक नई खोज पश्चिम में शुरू की है-पूरब के लिए तो बहुत पुरानी है। वह खोज है-टाइम ट्रैक। हुब्बार्ड का ख्याल है कि प्रत्येक व्यक्ति जहां भी जिया है इस पृवी पर या कहीं और किसी ग्रह पर-आदमी की तरह या जानवर की तरह या पौधे की तरह या पत्थर की तरह। आदमी जहां भी जिया है अनंत यात्रा में-उसका पूरा का पूरा टाइम ट्रैक, समय की पूरी की पूरी धारा उसके भीतर अभी भी संरक्षित है। वह धारा खोली जा सकती है, और उस धारा में आदमी को पुनः प्रवाहित किया जा सकता है। हुब्बार्ड की खोजों में यह खोज बड़ी कीमत की है। इस टाइम ट्रैक पर हुब्बार्ड ने कहा है कि आदमी के भीतर इनग्रेन्स है। एक तो हमारे पास स्मृति है जिससे हम याद रखते हैं कि कल यह हुआ, परसों क्या हुआ? वह कामचलाऊ स्मृति है। वह रोज बेकार हो जाती है। वह असली नहीं है। स्थायी भी नहीं है। यह हमारी कामचलाऊ स्मृति है जिससे हम रोज काम करते हैं, इसे रोज फेंक देते हैं। और उससे गहरी एक स्मृति है, जो कामचलाऊ नहीं है। जो हमारे जीवन के समस्त अनुभवों का सार है, अनंत जीवन पथों पर लिए गए अनुभवों का सार इकट्ठा है। उसे हुब्बार्ड ने इनग्रेन्स कहा है। वह हमारे भीतर इनग्रेन्स हो गई है। वह भीतर गहरे में दबी हुई पड़ी है। पूरी की पूरी। जैसे कि एक टेप बंद आपके खीसे में पड़ा हो। उसे खोला जा सकता है। और जब उसे खोला जाता है, तो महावीर उसको कहते जाति-स्मरण, हुब्बार्ड कहता है, टाइम ट्रैक-पीछे लौटना समय में। जब उसे खोला जाता है तो ऐसा नहीं होता कि आपको अनुभव हो कि आप रिमेम्बर कर रहे हैं।

# आज का राशिफल

**मेष** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**वृषभ** व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

**मिथुन** आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

**कर्क** राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

**सिंह** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

**कन्या** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

**तुला** गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

**वृश्चिक** व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**धनु** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**मकर** बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

**कुम्भ** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**मीन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

# जांच की रफ्तार से एजेंसी कठघरे में

अनूप भटनागर

केन्द्रीय जांच ब्यूरो एक बार फिर रसूख वाले व्यक्तियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की रफ्तार को लेकर कठघरे में है। इस बार, समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो मुलायम सिंह और उनके पुत्र अखिलेश यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की जांच की प्रगति और शारदा चिटफण्ड घोटाले की जांच का मामला सुर्खियों में है। ग्यारह साल से भी अधिक समय तक ठंडे बस्ते में रहने के बाद सपा सुप्रीमो और उनके पुत्र का मामला लोकसभा चुनाव के बीच शीर्ष अदालत की निगाह में लाया गया है। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ जानना चाहती है कि जब 2007 की प्रगति रिपोर्ट में सीबीआई ने कहा था कि पहली नजर में मामला भ्रष्टाचार का बनता है तो फिर इसके बाद 12 साल में जांच का क्या हुआ?

निश्चित ही प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामलों की जांच की विश्वसनीयता को लेकर जांच ब्यूरो कठघरे में है। यह मामला करीब 12 साल से जांच में हुई प्रगति के बारे में है लेकिन जांच ब्यूरो की कार्यशैली विवादों का केन्द्र रही है। ऐसे मामलों में जांच ब्यूरो की कार्यशैली पर न्यायालय पहले भी नाराजगी जाहिर कर चुका है। मुलायम सिंह, उनके पुत्र अखिलेश और प्रतीक का यह मामला अचानक ही सुर्खियों में आने की वजह भाजपा नेता राजनाथ सिंह के खिलाफ कभी चुनाव लड़ने वाले कांग्रेस पार्टी के नेता विश्वनाथ चतुर्वेदी की अर्जी है। चतुर्वेदी सीबीआई पर मुलायम और उनके पुत्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं करने तथा जांच के प्रति ढुलमुल रवैया अपनाने का आरोप लगाते रहे हैं। उच्चतम न्यायालय ने मार्च, 2007 में मुलायम सिंह, उनके सांसद पुत्र अखिलेश यादव, उनकी पत्नी डिंपल और छोटे पुत्र प्रतीक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। मुलायम सिंह और अखिलेश यादव ने इस फैसले पर पुनर्विचार के लिये याचिका दायर की थी। 15वीं लोकसभा के चुनाव के दौरान ही एक अप्रैल, 2009 को उच्चतम न्यायालय ने इन नेताओं को राहत प्रदान करते हुए इनकी पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई टाल दी थी। लेकिन बाद में 2012 में न्यायालय ने पुनर्विचार याचिका खारिज करते हुए आरोपियों के नामों में से डिंपल का नाम हटाने और जांच ब्यूरो को प्रगति रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था परंतु इस बार 17वीं लोकसभा के चुनाव के दौरान शीर्ष अदालत ने सीबीआई से इस मामले की जांच के बारे में प्रगति रिपोर्ट तलब कर ली है। सीबीआई ने मई 2007 में अपनी प्रगति रिपोर्ट न्यायालय में पेश की और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत नियमित मामला दर्ज करने की अनुमति मांगी। यही नहीं, जांच ब्यूरो ने अक्तूबर, 2007 और मार्च 2008 में इस मामले में आगे कार्यवाही की अनुमति भी न्यायालय से मांगी लेकिन अचानक ही देश की राजनीति में बदलाव आया और वाम मोर्चा ने अमेरिका के साथ परमाणु संधि के मुद्दे पर संप्रग सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया तो मुलायम सिंह के नेतृत्व वाली सपा के 39 सांसदों ने मनमोहन सिंह सरकार का साथ दिया था। दिसंबर, 2008 में जांच एजेन्सी ने मुलायम सिंह और अखिलेश के खिलाफ नियमित मामला दर्ज करने संबंधी अपना आवेदन वापस लेने का न्यायालय से अनुरोध किया था। दिसंबर, 2012 में उच्चतम न्यायालय ने मुलायम सिंह और अखिलेश यादव की पुनर्विचार याचिका खारिज करते हुए सीबीआई को अपनी जांच जारी रखने और प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। लेकिन अचानक ही सितंबर, 2013 में यह दावा किया था कि मुलायम सिंह यादव और उनके पुत्रों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों के मामले की जांच अपर्याप्त साक्ष्यों की वजह से बंद की जा रही है। जांच एजेन्सी ने कहा था कि इसकी जानकारी शीघ्र ही न्यायालय को दी जायेगी। लेकिन जांच एजेन्सी ने यह मामला बंद करने की रिपोर्ट दाखिल नहीं की और न ही शीर्ष अदालत को इससे अवगत कराया। कई मामलों की जांच में यह एजेन्सी पूरी तरह से खरी नहीं उतरी। बोफोर्स तोप सौदा दलाली कांड के बाद चारा घोटाला, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से संबंधित आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में विशेष अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती नहीं देना, 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन प्रकरण, नीरा राडिया टेलीफोन टैपिंग कांड, कोयला खदान आवंटन प्रकरण की जांच से लेकर व्यापम कांड, शारदा पोंजी प्रकरण, आरुषि तलवार और हेमराज हत्याकाण्ड जैसे अनेक मामलों में जांच ब्यूरो की कार्यशैली सवालों के घेरे में रही है।

# कामयाबी का रास्ता घर से...

**घर से काम करने का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। युवाओं को यह नया ट्रेंड खूब भा रहा है। कहीं भी कभी भी काम की सहूलियत न सिर्फ आमदनी को बढ़ाने का अच्छा जरिया है, बल्कि नए-नए असाइनमेंट की चुनौतियां भी इसे रोमांचक बना रही हैं। कैसे करें घर से काम की शुरुआत, बता रही हैं सौदामिनी पांडेय**

**कितना** अच्छा हो कि टाइम से ऑफिस पहुंचने के लिए रोज आपको अपनी नींद ना खराब करनी पड़े। कितना अच्छा हो कि किसी काम को करवाने के लिए आपका बॉस आपके सिर पर सवार ना रहे। कितना अच्छा हो कि आप कानों में ईयर फोन लगाए फिल्मी गाने सुनते हुए काम करें। एक मिनट के लिए ये सब कुछ आपको कल्पना लोक की बातें लग सकती हैं, पर आपको ये जानकर हैरानी से ज्यादा जलन होगी कि आज के दौर में युवाओं का एक बड़ा तबका है, जो बिल्कुल इसी अंदाज में काम करता है, क्योंकि वह किसी ऑफिस में नौकरी नहीं करता, बल्कि वर्क फॉम होम का हिस्सा है। हमारे आस-पास अलग-अलग पेशों से जुड़े लोगों को अब नौकरी की परवाह नहीं रही। उन्हें अपनी शर्तों पर, अपने मुंह मांगे पैसे पर काम करने की आजादी मिल गई है और उन्हें ये सहूलियत मिली है देश में बढ़ रहे वर्क फॉम होम के मौकों की वजह से।

**भारत में बढ़ रहे हैं वर्क फॉम होम के मौके**

पिछले कुछ सालों में जितनी तेजी से हमारे इंटरनेट की स्पीड बढ़ी है, उतनी ही तेजी से वर्क फॉम होम का क्रेज भी बढ़ा है। एक बहुत बड़ी आबादी है, जिसे नए जमाने के इस वर्क कल्चर की इतनी बुरी आदत पड़ चुकी है कि वह बड़े से बड़ा सैलरी पैकेज का ऑफर भी स्वीकार नहीं करती, क्योंकि वर्क फॉम होम उसे अपने तरीके से काम करने की आजादी देता है, जो किसी भी बड़ी कंपनी में कभी नहीं मिल सकता।

आज की तारीख में डेटा एंट्री और कंटेंट क्रिएशन से लेकर वेबसाइट डिजाइनिंग, डेवलपमेंट, मेंटेनेंस, एसईओ, एसएमओ, एथिकल हैकिंग, मोबाइल एप डेवलपमेंट, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, ऑनलाइन एडवरटाइजिंग, एफिलिएट मार्केटिंग, वीडियो प्रोडक्शन, ग्राफिक्स डिजाइनिंग, पीआर जॉब, बेसिंग काउंसिलिंग, कस्टमर केयर सपोर्ट जैसे तमाम क्षेत्रों में वर्क फॉम होम के मौकों की भरमार है। अगर आपके पास एक अदद इंटरनेट कनेक्शन है तो आप अपनी काबिलियत के दम पर दुनिया के किसी भी कोने से कोई भी काम उठा सकते हैं और तय समय पर उसे पूरा करके अच्छे पैसे कमा सकते हैं। ईलांस, फ्रीलांसर डॉट कॉम, वीमियो जैसी दर्जन भर वेबसाइट्स मौजूद हैं, जहां अलग-अलग क्षेत्रों के लोग अपनी प्रतिभा और अनुभव के मुताबिक बहुत आसानी से काम हासिल कर लेते हैं, जिसे वे वर्क फॉम होम के जरिए पूरा करके विदेशी मुद्रा में कमाई करते हैं।

**क्या हो रणनीति?**

वर्क फॉम होम के जरिए अच्छी कमाई करने का सपना देखने वालों के लिए बहुत जरूरी है कि वे इस काम को अच्छी तरह समझ लें। उन्हें अपने बारे में कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। उनकी अपने काम पर पूरी पकड़ होनी चाहिए। इंटरनेट और इससे जुड़ी बेसिक तकनीकों का इस्तेमाल करना उन्हें आना चाहिए और सबसे बड़ी बात ये कि वर्क फॉम होम में आप सिर्फ तभी कामयाब हो सकते हैं, जब आपमें सच्ची लगन हो और आप एक बेहतरीन प्रोफेशनल हों। वरना बहुत मुमकिन है कि आप शौकिया तौर पर कुछ दिनों तक पूरे जोशोखरोश के साथ यह काम करें, लेकिन आपको इसमें वह कामयाबी न मिल पाए, जिसकी उम्मीद करके आपने इसमें हाथ आजमाया।

करियर काउंसलर जुबिन मल्होत्रा का कहना है, 'वर्क फॉम होम के लिए काम कर पाने का आत्मविश्वास होना भी बहुत जरूरी है। तजुर्बा न होने की स्थिति में बेसिक टेलीकॉलिंग या डेटा एंट्री जैसे काम ही मिल पाते हैं।' अगर आप वर्क फॉम होम में हाथ आजमाना चाहते हैं तो आइए आपको वे बातें बताते हैं, जो आपको अपने जेहन में ठीक से बिठा लेनी चाहिए ।

**खुद को मानसिक तौर पर तैयार करें**

वर्क फॉम होम की शुरुआत करने से पहले इसके बारे में सही-सही जानकारी जुटा लें। आपके कार्यक्षेत्र से जुड़े जो भी लोग इस तरह का कोई भी काम कर रहे हों, उनसे बातचीत करके इसके फायदे-नुकसान, चुनौतियों के बारे में सटीक जानकारी हासिल कर लें। जब आप ये एक्सरसाइज कर लें तो खुद के भीतर झांक कर एक बार ये सवाल जरूर पूछें कि क्या आप सही मायने में इस काम को करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अगर आपको लगता है कि काम शुरू करने से पहले आपको किसी स्किल पर काम करने की जरूरत है तो पहले उस पर ध्यान दें।

**काम के हिसाब से करें प्रोफेशनल तैयारी**

वर्क फॉम होम के जरिए कोई भी असाइनमेंट हासिल करने से पहले खुद को प्रोफेशनली तैयार करना जरूरी है। अगर आपका काम कंटेंट राइटिंग से जुड़ा है तो आप ये तस्दीक कर लें कि इसे करने के लिए आपके पास जरूरी सुविधाएं हों, मसलन कंप्यूटर-लैपटॉप, इंटरनेट वगैरह उपलब्ध हैं या नहीं। अगर आपका काम ग्राफिक्स डिजाइनिंग या वेबसाइट डिजाइनिंग से संबंधित हो तो आप ये सुनिश्चित कर लें कि इसके लिए जरूरी स्किल, अपडेटेड मशीन और सॉफ्टवेयर आपके पास हैं या नहीं। यानी आपका काम जो भी हो, उससे जुड़ा कोई भी प्रोजेक्ट हाथ में लेने से पहले आपको अपनी प्रोफेशनल तैयारी का आकलन एक बार जरूर कर लेना चाहिए, ताकि ऐसा ना हो कि आप ऐसी किसी परेशानी की वजह से कोई असाइनमेंट सही वक्त पर पूरा ना कर पाएं और आपकी इमेज खराब हो।

**ईमानदारी और सच्चाई से करें काम**

अपनी क्षमताओं, कार्यशैली, अपनी उपलब्धता और अपनी व्यस्तताओं को ध्यान में रखते हुए ही कोई काम हाथ में लें। जिस तरह के काम में आपकी रुचि न हो, जो आप बेहतरीन नहीं कर सकते, जिसे करते हुए आप कहीं फंस सकते हैं, उसे हासिल करने के लिए झूठ या बेईमानी का सहारा कतई ना लें, क्योंकि ऐसा करके शायद आप असाइनमेंट तो हासिल कर सकते हैं, लेकिन अगर आप उस काम को देने वाले की उम्मीदों के मुताबिक नहीं कर पाए तो यह आपके लिए ठीक नहीं होगा। वर्क फॉम होम का धंधा विश्वास और पारदर्शिता के भरोसे चलता है, जो आप अपनी एक मामूली गलती से हमेशा के लिए गंवा देंगे।

**डेडलाइन का रखें ध्यान**

वर्क फॉम होम आपको कहीं से भी गैरपेशेवर तरीके से काम करने की आजादी नहीं देता। वर्क फॉम होम कल्चर में काम करते हुए आपको ऑफिस में काम करने वाले किसी कर्मचारी से ज्यादा प्रोफेशनल अप्रोच रखनी होगी, क्योंकि जिस भी संस्थान ने आपको काम सौंपा है, वह यह मानकर चलता है कि आप उस काम को तय समय सीमा में हर हाल में पूरा कर देंगे। ऐसे में आपकी जिम्मेदारी और भी ज्यादा बढ़ जाती है कि आप अपनी डेडलाइन के भीतर क्वालिटी काम करके दें। निजी जिंदगी में चाहे जो भी परेशानी हो, काम के साथ कोई समझौता न करें, क्योंकि आपका भविष्य आपकी इन्हीं छोटी-छोटी बातों से तय होगा।

तो हो जाइए तैयार अपनी प्रतिभा को दुनिया के बाजार में भुनाने के लिए और आजमाइए वर्क फॉम होम को, जहां अपनी किस्मत आप खुद लिख सकते हैं।

## अपने काम के फायदे अनेक

**नौकरी करने नहीं, नौकरी देने की स्थिति में खुद को देखना चाहते हैं तो एंटरप्रिन्योरशिप की दुनिया में आपका स्वागत है। इस राह पर चलने से पहले जहां कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, वहीं खुद के बॉस बनने के कई फायदे भी हैं।**

किसी ने कहा है कि लोग कंपनियां नहीं छोड़ते, बल्कि अपने बॉस को छोड़ते हैं। यदि यह सही है तो यह अच्छा कारण हो सकता है अपना बिजनेस शुरू करने का। इसके अलावा आप कई बार महसूस करते होंगे कि अपनी नौकरी में इनोटिव आइडिया लागू नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि वे आपके बॉस को पसंद नहीं आते। कई बार आप उन आइडिया से समझौता भी नहीं करना चाहते, पर करना पड़ता है। ऐसे में बेहतर उपाय यही है कि अपने सपनों का हिस्सा खुद बना जाए। प्रख्यात मोटिवेशनल राइटर टोनी गास्किन्स के अनुसार, आप अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में खुद को अग्रसर नहीं करते हैं तो कोई और कर डालता है, आप देखते रह जाते हैं।

**खुद का विस्तार**

एंटरप्रिन्योरशिप खुद के विस्तार की भी यात्रा है। आपको जिन चीजों से प्यार है, वह करते हुए आप अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। आप काम करते वक्त इतने जुनूनी हो सकते हैं कि घड़ी की तेज भागती रफ्तार के बावजूद न रुकें। संभव है कि आप कुछ ऐसे काम भी कर जाएं, जिसके लिए आप यह भी परवाह न करें कि पैसे मिलेंगे या नहीं। ऐसा करके आप बहुत अच्छा महसूस करेंगे।

**सब क्षेत्रों पर होगी पकड़**

यदि आप किसी कंपनी में डेवलपर हैं तो कोई भी आपको मार्केटिंग का काम नहीं देगा। सेल्स के बारे में आपसे कोई बात नहीं करेगा, यदि आप ऑपरेशंस में हैं। यदि आप मार्केटिंग में हैं तो प्रोडक्ट डिजाइन के बारे में आपकी नहीं सुनी जाएगी। लेकिन आपको अगर लगता है कि आप यह कर सकते हैं तो आपको किसी अकादमिक डिग्री या अनुभव की जरूरत नहीं। उदाहरण के लिए आपके पास सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की डिग्री है तो बाजार के पैमाने के हिसाब से आपको किसी कंपनी में सॉफ्टवेयर डेवलपर या इसी तरह का कोई काम मिलेगा, लेकिन अपना काम कर रहे हैं तो आप अपने व्यवसाय से जुड़े सभी पक्षों में अपना योगदान दे सकते हैं।

**नौकरी देने वाला बनें**

एक इंसान होने के नाते आप दैनिक जीवन में कई लोगों के संपर्क में रहते हैं। उनमें से कई ऐसे जरूरतमंद लोगों से भी मिलते हैं, जिन्हें देखते ही उनकी मदद करने की इच्छा होती है, लेकिन एक निश्चित वेतन होने की वजह से आप उनकी मदद नहीं कर पाते। मगर आप अपना काम करते हैं तो उन्हें नौकरी देकर उनकी मदद कर सकते हैं। इतना ही नहीं, देश के विकास में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

**ज्यादा उत्पादक होंगे**

चूंकि यह कंपनी आपकी खुद की होगी और इसके नफे-नुकसान के आप हिस्सेदार होंगे, इसलिए आपकी उत्पादकता भी बढ़ेगी। इसके अलावा यह काम निजी दिलचस्पी और पसंद का होने की वजह से कम घंटे भी काम करेंगे, तब भी आपकी उत्पादकता ज्यादा होगी। यह निश्चित है कि आपकी उत्पादकता काम के घंटों की वजह से प्रभावित नहीं होगी। आप अपनी पसंद के अनुरूप टीम सदस्य होने से समन्वय भी अच्छा बना सकते हैं।

## करियर में अपनी ही नहीं, दूसरों की भी मदद कीजिए

**मार्क ट्वेन** ने कहा था कि महान लोग हमें हमेशा अहसास करवाते हैं कि हम भी उनके जैसे बन सकते हैं। हम भी वैसा कर सकते हैं। वैसा सोच सकते हैं। उनसे भी बेहतर बन सकते हैं। एक महान व्यक्ति व उसके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह सबको प्रेरित करता है। उसमें ऐसा आकर्षण है कि सब वैसा ही करना चाहते हैं। उसके इस आकर्षण के कारण ही उसके साथ जो होते हैं वे चलने लगते हैं। बदलने लगते हैं। आगे बढ़ने लगते हैं। हम कहां बैठते हैं, किनके साथ बैठते हैं। हमारे दोस्त कौन है। सफलता के लिए हमें दोस्तों का चयन भी सोच-समझ कर करना चाहिए।

**नौकरी के लिए ही नहीं, कंपनी भी अच्छी होनी चाहिए:** हम एक अच्छी कंपनी में, सही लोगों के बीच नौकरी करना चाहते हैं, काम करना चाहते हैं। कंपनी एक ऐसा शब्द है जो हमारे करियर को बदलती है। चाहे वह कंपनी हो जहां हम काम करते हैं, या उन लोगों की बात हो जो हमारे दोस्त हैं। हमारी सफलता में दोनों की ही भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण है। अच्छी कंपनी हमें दूसरों से कुछ अलग करने के लिए प्रेरित करती है। बचपन को याद कीजिए जब हम कोई ऊट-पटांग हरकत करते थे, तो घर में पहला सवाल यह पूछा जाता था कि आजकल किनके साथ घूम रहे हो। मतलब हमारे सर्कल में कैसे लोग हैं। हिंदी में एक प्रचलित कहावत है कि जैसी संगत वैसी शोभा। मतलब हम वैसे ही बनते हैं, जैसे हमारे आसपास लोग होते हैं। वैसे नहीं हैं तो उनकी कंपनी में वैसे ही होने लगते हैं। सफलता के लिए सही कंपनी व अच्छे दोस्तों का चयन जरूरी है।

**जैसे लोगों से करियर की शुरुआत होगी वैसा ही बनेंगे:** हम अपने करियर की शुरुआत जैसी कंपनी या ऑफिस या लोगों से करते हैं। हमारा करियर वैसा ही बनता है। वैसा ही हमें एक्सपोजर मिलता है। हमारे सोचने का तरीका बदलता है। एक लेवल से ऊपर हम सोचते हैं, वैसा ही काम भी करते हैं। एक अच्छी कंपनी व लोगों की विश्वसनीयता हमें बेहतर से बेहतरीन काम करने का मौका देती है। जब किसी कंपनी की विश्वसनीयता हमारे करियर के साथ जुड़ती है। इससे हमारा प्रोफाइल बढ़ता है। जैसे ही हम अपनी सेवाओं को ऑफर करते हैं, तो दूसरी कंपनियां हमें हायर करने को तैयार रहती हैं। इसलिए करियर में कदम रखने से पहले तय कर लीजिए कि करियर की शुरुआत कहां से व किसके साथ करनी है।

**बड़ी न मिले तो छोटी में काम करने में कोई बुराई नहीं है :** कुछ लोगों को बड़ा सोचने की ऐसी आदत हो जाती है कि वे छोटी जगह पर काम करना ही नहीं चाहते हैं। उससे नीचे वे सोचते ही नहीं हैं। जीवन बहती हुई नदी की तरह है। एक जगह अटकना करियर के लिए सही नहीं है। अटकते तो पत्थर हैं, लेकिन वे भी नदी के बहाव के साथ बदलते हैं। एक जगह अगर हम सफल नहीं हो रहे हैं तो दूसरी जगह हमें कोशिश करनी चाहिए।

# बैंकिंग एंड फाइनांस में उज्ज्वल भविष्य

**एडवांस** डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनांस, अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम है। इस कोर्स के तहत छात्रों को बैंकिंग एंव फाइनांस के गुण सिखाए ही जाते हैं। फाइनांस और बैंकिंग इंडस्ट्री से संबंधित टेक्निकल स्किल की समझ छात्रों में विकसित की जाती हैं। जैसे बैंकिंग और वित्त से संबंधित प्रासंगिक मुद्दे, प्रबंधन, संगठनात्मक और व्यावहारिक सिद्धांत, इस कोर्स से संबंधित कानूनी जानकारी, आर्थिक, बैंकिंग और वित्त अवधारणाओं के महत्व की महत्ता, इससे संबंधित वर्तमान वैकल्पिक और तकनीकी भाषा की समझ अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी विकसित की जाती है।

मौजूदा समय में भारत का बैंकिंग, फाइनेंशियल और इंश्योरेंस सेक्टर 1.31 ट्रिलियन डॉलर का है और आने वाले दस सालों में यह सेक्टर 20 लाख लोगों को रोजगार देने जा रहा है। ऐसा करके भारत का बीएफएसआई सेक्टर वॉल्यूम तथा एम्प्लॉयमेंट में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सेक्टर बन जाएगा। इसलिए वे छात्र जो अभी तक अपना करियर नहीं समझ पाए हैं, उनके लिए यह सेक्टर बेहतरीन मौका लेकर आया है। बैंकिंग क्षेत्र में प्रोफेशनल छात्रों की जरूतर होती है। ऐसे लोगों की जो व्यावहारिक रूप से परिस्थितियों को संभाल सकें, त्वरित निर्णय लेने वाले हों और उसमें चीजों को बारीकी से समझने की, सोचने की और उस पर सही तर्क रखने की क्षमता हो।

**कोर्स के दौरान क्या पढ़ाया जाता है**

टीकेडब्लूएस इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनांस के डायरेक्टर अमित गोयल के मुताबिक एडवांस डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनांस के तहत बैंकिंग ऑपरेशन, फाइनेंशियल मैनेजमेंट, ट्रैक मार्केट एंड इंस्टीट्यूशन, फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, रिसर्च मेथड एवं इंडस्ट्रीयल प्रोजेक्ट, ऑग्रेनाइजेशनल बिहेवियर के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाता है।

**बैंकिंग ऑपरेशन**

बैंकिंग एंड फाइनांस डिग्री प्रोग्राम के तहत बैंकिंग ऑपरेशन की जानकारी बेहद जरूरी है। इस मॉडयूल में छात्रों को बैंकिंग ऑपरेशन से संबंधित तयों की जानकारी दी जाती है। इस विषय के अंतर्गत छात्रों को बैंकिंग ऑपरेशन, रिव्यू, कंपटेटिव स्ट्रेटेजीज और बैंक सर्विस के के बारे में भी बताया जाता है। इसके अंतर्गत तेजी से उभरती खुदरा नीति और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग के बारे में भी जानकारी दी जाती है.

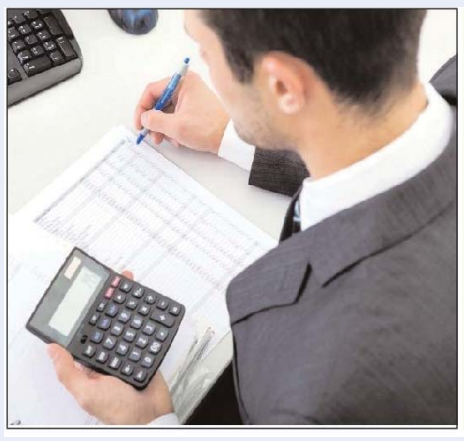

**प्रमुख संस्थान**

- इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस, नई दिल्ली
www.instituteofbanking.org
- इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, दिल्ली
www.ignou.ac.nic
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
www.amu.ac.nic
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
www.ipu.ac.in

**फाइनेंशियल मैनेजमेंट**

इस विषय का उद्देश्य छात्रों को बिजनेस और फाइनांस के वैचारिक ढांचे की समझ विकसित करना है। इसके अलावा, बिजनस फाइनांस का विश्लेषण और मूल्यांकन व्यावहारिक स्तर पर कैसे किया जाए, इसकी जानकारी दी जाती है। इस विषय का उद्देश्य यह भी बताना है कि कैसे फाइनेंशियल मैनेजमेंट फंड के उपयोग में सहायक हो सकता है। फाइनेंशियल मैनेजमेंट के अंतर्गत इनवेस्टमेंट, निवेश के फैसले और लाभांश नीति के महत्वपूर्ण फैसले लेना और इससे संबंधित योरी और प्रैक्टिकल भी शामिल है.

**फाइनेंशियल मार्केट और इंस्टीटयूशंस**

इस मॉडयूल का उद्देश्य विभिन्न वित्तीय मार्केट, उपकरणों, इंस्टूमेंट्स और संस्थाओं के बारे जानना है।

**इंडस्ट्रीयल प्रोजेक्ट**

यह मॉडयूल छात्रों को यह बताता है कि कैसे बैंकिंग और फाइनांस के सिद्धांतों को लागू किया जाए। कोर्स में इसके संबंध में संपूर्ण जानकारी दी जाती है.

**ऑग्रेनाइजेशनल बिहेवियर**

ऑग्रेनाइजेशन बिहेवियर हमारे जीवन में एक नागरिक के रूप में, एक कंज्यूमर और एक कर्मचारी के रूप में बहुत ही महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। ऑग्रेनाइजेशाल बिहेवियर न सिर्फ खुद के बारे में बल्कि अन्य लोगों के बारे में भी जो कार्य से जुड़े हों, उनसे कैसे संबंध बनाया जाए। कोर्स यह सुविधा भी प्रदान करता है कि कैसे अपने साथियों, मातहतों और सहयोगियों के साथ काम करना चाहिए। यह कोर्स एक प्रभावी और सफल प्रबंधक बनने में आपकी मदद करेगा।

**रिसर्च मेथड**

यह कोर्स एकेडमिक रिसर्च के लिए एक परिचय के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य छात्रों को साइंटिफिक मेथड और डिजाइन रिसर्च में आवश्यकतानुसार शामिल करने की समझ विकसित करता है। साथ ही इस कोर्स का मकसद छात्रों को रिसर्च टूल्स और मेथडोलॉजी के साथ परिचित कराना भी है।

**योग्यता**

एडवांस डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनांस में दाखिला के लिए छात्र को किसी भी संकाय साइंस, आर्ट्स, कॉमर्स में विषय के तहत 50 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना चाहिए। कई संस्थान एससी/एसटी और ओबीसी को 5 फीसदी तक की छूट भी प्रदान करते हैं। इसमें भले ही कोई इस मानक को पूरा करने वाला पढ़ाई कर सकता है लेकिन संस्थान छात्रों को सलाह देते हैं कि वही इस तरफ का रुझान करे जिसकी दिलचस्पी फाइनेंस में हो।

**अवसर एवं सैलरी**

इस तरह के प्रोफेशनल लोगों की जरूरत बहुत सारी एमएनसी, निजी बैंकों और वित्तीय संस्थानों में होती है। शुरुआत में इनकी ओर से न्यूनतम पैकेज 20 से 30 हजार रुपए मासिक दिया जाता है। यह धीरे-धीरे अनुभव के आधार पर बढ़ता जाता है। बहुत सारे छात्रों को कॉलेज कैंपस से ही आकर कंपनियां सेलेक्ट कर लेती हैं। - फजले गुफरान

# उधना रेल्वे स्टेशन पर जनरल टिकट लेने में फैली अव्यवस्था

## परप्रांतियों से जबरन वसूले जाते हर टिकट पर 10 रू.अधिक

## इस गोरख धंधे की जानकारी रेल्वे के पुरे स्टाफ को है लेनिक कार्यवाही 0!

सूरत। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उधना रेल्वे स्टेशन पर परप्रांतियों को अपने देश में जाने के लिए ट्रेन की जनरल टिकट लेने के लिए रेल्वे के स्टाफ को हर टिकट पर 10 रू. अधिक देने पड़ते है यदि कोई ये रुपए देने से मना करता है तो उसके टिकट नहीं दिया जाता। ऐसे में युपी, बिहार, झारखंड़ तथा अन्य परांतों से परप्रांती जब अपना घर बार छोड़ कर सूरत कमाने आते है उसके साथ उधना रेल्वे स्टेशन पर जानवरों जैसा सलूक किया जाता है। न तो उनकों टिकट ही टाइम पर मिल पाती है क्योंकि टिकट की लाइन इतनी लंबी होती है कि जिसमें लगभग 200 से 250 लोग लाईन में हर समय खड़े रहते है। और इन लाइनों में दलाल के लोगों की बीच में ही घुसने की छुट होती है और परप्रांती कुछ नहीं कर पाते है क्योंकि वे बेचारे यहां कमाने खाने आए है ना की मार-पीट करने।

## दक्षिण गुजरात में वर्षा ऋतु में होने वाले लेप्टोस्पायरोसिस को रोकने का व्यूह तैयार

### आरोग्य विभाग के अधिक निदेशक जी.सी. पटेल की अध्यक्षता में लेप्टोस्पायरोसिस के निदान एवं नियन्त्रण हेतु विभागीय बैठक आयोजित

सूरत। मंगलवार को वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही दक्षिण गुजरात के किसानों में व्यापक पैमाने पर होने वाले रोग लेप्टोस्पायरोसिस पर नियन्त्रण तथा निदान हेतु सूरत, तापी, नवसारी एं वलसाड़ के आरोग्य अधिकारियों के साथ इस वर्ष के आयोजन एवं गत वर्ष में की गयी कार्यवाही की समीक्षा बैठक आरोग्य विभाग के अधिक निदेशनक श्री जी. सी. पटेल की अध्यक्षता में नयी सिविल हास्पिटल के समाखण्ड में आज सम्पन्न हुई। बैठक में अधिक निदेशक पटेल ने बताया कि दक्षिण गुजरात के जिलों मे समग्र प्रशासन द्वारा की गयी असरदार कार्यवाही के परिणाम स्वरुप लगातार पांच वर्षों में लेप्टोस्पायरोसिस के केसों में विशेष रुप से कमी आयी है। वरसात के मौसम से पहले कार्यवाही करना आवश्यक है। हाईशिस्क क्षेत्र में पेरामेडिकल स्टाफ, नर्स, आगणवाड़ी, कार्यकर्ताओं को विशेष रुप से ट्रेनिंग दी गयी है। तथा दवाओं का जत्था भी उपलब्ध हो सके जैसे अनेक मुद्दाओं पर विस्त्रृत विचार विमर्श किया गया है। बैठक में सूरत, तापी, वलसाड़, नवासारी, जिला के आरोग्य अधिकारी ने लेप्टोस्पायरोसिस रोग के सम्बन्ध में किये गये आयोजन के सम्बन्ध में पावर आफ प्रजेन्टेशन द्वारा विस्तृत जानकारी दी है। 2018 की सूचनाओं को देखकर तो सूरत जिला में लेप्टोस्पायरोसिस के 12 केसों में किसी भी रोगी की मृत्यु की घटना बनी नहीं इस समय सूरत के आरोग्य एवं डाक्टरी सेवाओं का विभागीय नायव निदेशक श्री आर. के कछल, सूरत के सी.डी. एच.ओ. श्री चौधरी अन्य जिलाओं के आरोग्य के साथ सम्बंद्ध डाक्टर केतीवाड़ी पशुपालन विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

## अलथाण पुलिस चौकी के पास रोड़ पर मोबाइल और पर्स की लूट

सूरत। मंगलवार शहर के खटोदरा पुलिस स्टेशन विस्तार स्थित अलथाण पुलिस चौकी के पास रवितेज इन्डस्ट्रियल की तरफ जाने वाले रोड़ पर शिकायत कर्ता साहेब खान बालाखान ने शिकायत दर्ज कराई है कि तारीख 9-4-2019 को सुबह 6.10 बजे के करीब उपरोक्त स्थल पर जा रहा था कि बिना नम्बर प्लेट वाली एक मोटर साइकल पर तीन व्यक्ति लगग 25 से 30 वर्ष उम्र आये और साहेब खान के बाजू में बाइक खड़ी करने के बाद बाइक से दो व्यक्ति नीचे उतरे और साहेब खान की आंख पर घुसा मारा और पकड़ कर उसे मारते हुए उसकी पैन्ट की जेब में रखे सेमसंग गेलेक्सी जे-7 प्राइम का मोबाइल जिसकी कीमत रुपए 10,000 तथा पैंट के बाई जेब से नकद 2300 रुपए तथा मोबाइल का बिल, पान कार्ड, ए.टी.एम कार्ड, आधार कार्ड, वोटिंग कार्ड इत्यादि रखे थे जिसकी कुल कीमत लगभग 12,300 की लूट कर भाग गए।

उपरोक्त सम्बन्ध में साहेब खान निवासी कैलाश नगर-2 बमरौली रोड़ सूरत ने लगभग 7.50बजे खटोदरा पी.एस.ओ. से सम्पर्क कर फरियाद की जिसके लिए पुलिस ने आई. पी.सी की धारा 392, 394,114 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है। मामले की जांच पी.एस.आई. पी. के. तबीयार कर रहे है।

## प्रतिबन्धित प्लास्टिक के अनाधिकृत संग्रह के विरुध मनपा अधिकारियों की कार्यवाही

प्रतिबन्धित प्लास्टिक के अनाधिकृत संग्रह के विरुध मनपा अधिकारियों की कार्यवाही

सूरत। मंगलवार को सूरत महानगर पालिका के नार्थ जोन कतारगाम के अधिकारियों के मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारकर प्रतिबन्धित प्लास्टिक के संग्रह एवं विक्री के संदर्भ में तारीख 5-4-2019 को मुख्य आरोग्य निरीक्षक, आरोग्य निरीक्षक तथा सहायक आरोग्य निरीक्षक की टीम ने अमरोली विस्तार के कोसाड़ स्थित श्री राम चौकड़ी के पास भैरुनाथ किरियाणा स्टोर से 173 किग्रा. का जत्था जब्त कर प्रशासनिक चार्ज के तौर पर 10,000 रुपये वसूल करने के साथ दुकान मालिक से प्रतिबन्धि प्लास्टिक न रखने की वाहेधारी भी लिखवाई इसी तरह से 6-4-2019 को छापरा भाठा वार्ड विस्तार से ओम नारायण सुपर स्टोर तथा ओम देवनारायण ट्रेडर्स में छापा मारकर अनधिकृत प्रतिबन्धित प्लास्टिक 4 कि. ग्रा. जब्त कर 20,000 रुपये प्रशासनिक चार्ज वसूल किया अमरोली वार्ड आफिस के सामने स्थित छापरा भाठा रोड़ पर श्री रेजीडेंसी में से अनधिकृत प्रतिबन्धित प्लास्टिक कुल 315 कि.ग्रा. जब्त कर रुपये 10,000 का प्रशासनिक चार्ज वसूल किया।

इस तरह आरोग्य निरीक्षक ने कुल चार जगह से प्रतिबन्धित प्लासिटक रखने के विरुद्ध कार्यवाही कर कुल 40,000 रुपये का दण्ड एवं 532 किलो प्रतिबन्धित प्लास्टिक जब्त किया है।

## आज चुनाव आयोग द्वारा मतदान जागृति हेतु तैयार की विशेष दाबरा एक्सप्रेस गाड़ी सूरत आयोगी

### सूरत के जिला चुनाव अधिकारी एवं कलेक्टर डा. धवल पटेल फ्लैग आफ कर प्रस्थान करायेंगे

### युनाव आयोग द्वारा भारतीय रेल्वे के सहयोग से देश की कुल चार गाड़ियों को मतदाता जागृति हेतु सजाया गया है

सूरत। मंगलवार को लोकसभा के चुनावों में मतदाताओं द्वारा अपने पुनीत मताधिकार का अधिकाधिक उपयोग हो इस उद्देश्य से केन्द्रीय चुनाव आयोग ने मतदाता जागृति संदेश के साथ विशेष रुप से सजायी गयी हाबरा एक्सप्रेस गाड़ी ता. 10-4-2019 को सुबह 9.02 बजे सूरत रेल्वे स्टेशन पर पहुंचेगी। जिसे सूरत के जिले चुनाव अधिकारी एवं कलेक्टर डा. धवल पटेल फ्लैग आफ कर प्रस्थान करायेंगे। यह गाड़ी सूरत रेल्वे स्टेशन पर 9.02 बजे आने के बाद 10 मिनट तक रुककर 9.12 बजे प्रस्थान करेगी। लोकसभा के चुनाव को लेकर लोग मतदान के प्रति संजीदा हो अधिकाधिक मतदान करे इसी उद्देश्य हेतु से चुनाव आयोग द्वारा भारतीय रेल्वे के सहयोग से देश की चार गाड़ियों को मतदाता जागरण के संदेशों स्टिकर आदि से सजाया गया है। जिसमें हाबरा एक्सप्रेस गाड़ी एक है जो सूरत रेल्वे स्टेशन पर आयेगी जिसका शहर के युवा मतदाता, विद्यार्थियों द्वारा उल्लास पूर्वक स्वागत किया जाएगा। यह गाड़ी सूरत से वडोदरा और अहमदाबाद जाने के लिए प्रस्थान करेगी। उल्लेखनीय है कि देश की चार गाड़ियों नमें केरला एक्सप्रेस, मिसागर एक्सप्रेस, हाबड़ा एक्सप्रेस और कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन को मतदाता जागृति हेतु संदेश प्रसारित कर के लिए पसन्द किया गया है। हाबरा एक्सप्रेस ट्रेन ता 8--4-2019 को पश्चिम बंगाल के हाबरा से प्रस्थान कर झारखंड, उडीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात इन 6 राज्यों से गुजर कर सूरत आयेगी जहां स्थानीय प्रशासन द्वारा स्वागत किया जाएगा। कुल 2087 किलोमीटर का अन्तर पार कर हाबरा एक्सप्रेस गाड़ी 6 राज्यों के 64 स्टेशन पर मतदान जागरण के संदेश द्वारा मतदाताओं को जागृत करेगी।

## गुलबर्ग सोसायटी नरसंहार के पीड़ित फिरोज खान देंगे अमित शाह को टक्कर

**( जी.एन.एस ) ता.09 अहमदाबाद।**

लोकसभा चुनाव में इस बार 17 साल से न्याय की आस में भटक रहा एक शख्स भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह को चुनौती देने जा रहा है। गुजरात के गुलबर्ग सोसायटी दंगा के पीड़ित फिरोज खान पठान गांधीनगर सीट से इस बार चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। बता दें कि 2002 में गोधरा दंगों के बाद गुलबर्ग सोसायटी में हुई हिंसा में 69 लोग मारे गए थे। गांधीनगर सीट काफी चर्चित सीट मानी जाती है। यहां से पहले बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सहित कई दिग्गज भी चुनाव लड़ चुके हैं। फिरोज के परिवार के 10 सदस्य उस दंगे में मार दिए थे। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व सांसद अहसान जाफरी की 28 फरवरी 2002 को हिंसक भीड़ ने हत्या कर दी थी।

फिरोज कहते हैं, 'गांधीनगर से चुनाव लड़कर मैं यह संदेश देना चाहता हूं कि गुलबर्ग सोसायटी के पीड़ितों को अभी तक न्याय नहीं मिला है।' उन्होंने कहा, 'काफी लंबा इंतजार हो चुका है।' फिरोज एक साइबर कैफे चलाते हैं और अपनी बीवी और दो बेटियों के साथ जुहापुरा में रहते हैं। अहमदाबाद के इस इलाके में बड़ी संख्या में मुस्लिम परिवार रहते हैं। 2014 में फिरोज खान पठान ने मानवाधिकार कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ के खिलाफ सोसायटी में विकास कार्यों के लिए गलत ढंग से पैसा इकट्ठा करने का आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज कराई थी। सीतलवाड़ के संगठन सिटिजन फॉर जस्टिस ऐंड पीस ने गुलबर्ग सोसायटी के पीड़ितों को कानूनी लड़ाई में मदद की थी।

फिरोज कहते हैं, 'मैं गुजरात विधानसभा और संसद में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए मुस्लिम समुदाय को प्रेरित करना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने 2019 लोकसभा चुनाव के लिए यहां सिर्फ एक मुस्लिम उम्मीदवार को ही टिकट दिया है। फिरोज के परिवार के 10 सदस्य उस दंगे में मार दिए थे। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व सांसद अहसान जाफरी की 28 फरवरी 2002 को हिंसक भीड़ ने हत्या कर दी थी।

अगर मैं सांसद बन जाता हूं तो मैं गुलबर्ग सोसायटी में स्थायी रूप से शिफ्ट हो जाऊंगा।' गुलबर्ग सोसायटी नरसंहार में फिरोज ने अपनी मां, दादी, चाची, भाई, भाभी, भतीजा और भतीजी को खो दिया था। उनका परिवार पूर्व सांसद जाफरी के घर से लगे हुए 18 नंबर बंगले में रहता था। वह कहते हैं कि गुलबर्ग की यादें उन्हें आज भी डरा देती है।

## अल्पेश ठाकोर बनासकांठा में कांग्रेस का नहीं ठाकोर सेना का करेंगे प्रचार

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात में कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। लोकसभा चुनाव के ऐलान से पहले कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। पिछले काफी दिनों से नाराज चल रहे अल्पेश ठाकोर की नाराजगी भी कांग्रेस से अब तक खत्म नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक अल्पेश ठाकोर कांग्रेस के लिए प्रचार नहीं करेंगे। दरअसल कांग्रेस ने बनासकांठा सीट से ठाकोर सेना के व्यक्ति के बजाए भाजपा से कांग्रेस में आए परथी भटोल को चुनाव मैदान में उतार दिया है। जिससे नाराज होकर ठाकोर सेना ने बनासकांठा सीट पर ठाकोर सेना के स्वरूपजी ठाकोर को भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा है। जानकारी है कि अल्पेश ठाकोर कांग्रेस के विधायक होने के बावजूद कांग्रेस का नहीं बल्कि ठाकोर सेना के प्रत्याशी स्वरूपजी ठाकोर के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। स्वरूपजी ठाकोर के मुताबिक ठाकोर सेना के अध्यक्ष अल्पेश ठाकोर बनासकांठा में उनके पक्ष में प्रचार करेंगे। बता दें कि ठाकोर सेना ने पाटण और बनासकांठा में ठाकोर सेना के उम्मीदवार को टिकट देने की मांग की थी। पाटण में कांग्रेस द्वारा जगदीश ठाकोर को टिकट दिए जाने पर अल्पेश ठाकोर ने नाराजगी व्यक्त की थी। दूसरी ओर बनासकांठा सीट पर ठाकोर सेना के बजाए भाजपा से आए परथी भटोल को टिकट देकर ठाकोर सेना की नाराजगी बढ़ा दी है।

## पीएम मोदी आज गुजरात में, जूनागढ़ और सोनगढ़ में करेंगे रैली

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव के ऐलान के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 अप्रैल को गुजरात आ रहे हैं और राज्य में प्रचार का प्रारंभ करेंगे। एक दिवसीय यात्रा के दौरान पीएम मोदी सौराष्ट्र के जूनागढ़ और दक्षणि गुजरात के सोनगढ़ में जनसभा को संबोधित करेंगे। 10 अप्रैल को 9.30 बजे पीएम मोदी विशेष विमान से राजकोट एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां से हेलिकॉप्टर के जरिए जूनागढ़जाएंगे। सुबह 10.10 बजे जूनागढ़ कृषि यूनिवर्सिटी में जनसभा को संबोधित कर पीएम मोदी वापस राजकोट हवाई अड्डे लौटेंगे। जहां से 11.40 बजे सूरत खाना होंगे। दोपहर 12.30 बजे सूरत से पीएम मोदी बारडोली पहुंचेंगे। दोपहर 12.45 बजे सोनगढ़ में जनसभा को संबोधित करने के बाद पीएम मोदी सूरत एयरपोर्ट लौटेंगे और वहां से गोवा के लिए रवाना हो जाएंगे। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। 1 एडीजी, 1 आईजी, 7 एसपी, 14 डीवायएसपी, 38 पीआई, 140 पीएसआई, 1400 पुलिस कांस्टेबल, 200 होमगार्ड्स समेत 1700 का पुलिस काफिला तैनात किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com ( subject to surat jurisdiction)**